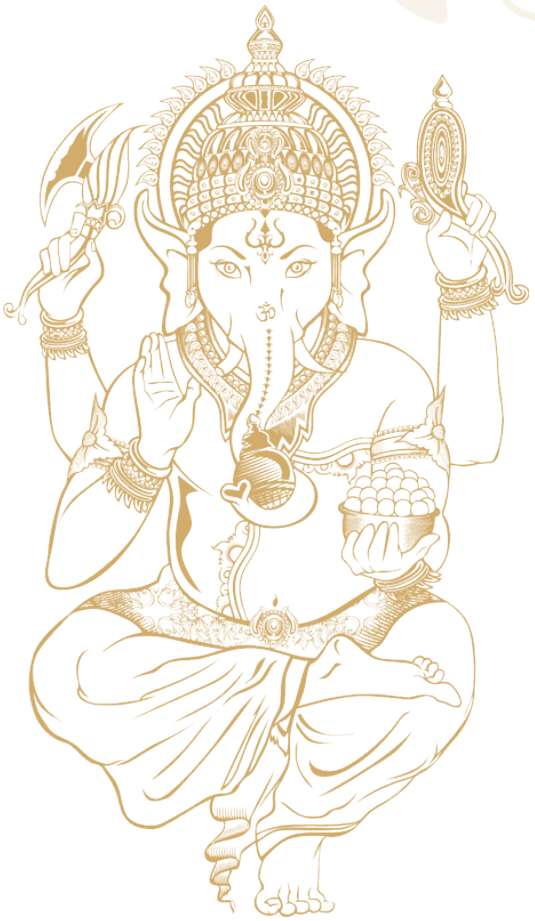

?????

23 Nov 2003

04:40 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121245104

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/11/2003**
दिन	रविवार
जन्म समय	**16:40:00 घंटे**
इष्ट	24:35:09 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:18:52 घंटे
वेलान्तर	00:13:46 घंटे
साम्पातिक काल	20:26:56 घंटे
सूर्योदय	06:49:56 घंटे
सूर्यास्त	17:24:50 घंटे
दिनमान	10:34:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	06:49:38 वृश्चिक
लग्न के अंश	25:11:44 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शोभन
करण	चतुष्पाद
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ते-तेजवन्त
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	25:11:44	428:02:16	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	06:49:38	01:00:40	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			तुला	29:49:25	15:13:05	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	सम राशि
मंगल			कुंभ	23:28:16	00:30:23	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			वृश्चि	22:49:58	01:27:53	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	सम राशि
गुरु			सिंह	22:23:01	00:07:10	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			धनु	01:38:42	01:14:31	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
शनि	व		मिथु	18:35:46	00:03:01	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	26:34:36	00:00:07	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	26:34:36	00:00:07	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			कुंभ	05:04:58	00:00:46	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप			मक	16:46:12	00:01:03	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	25:08:43	00:02:11	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			मक	10:29:16	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:27

लग्न-चलित

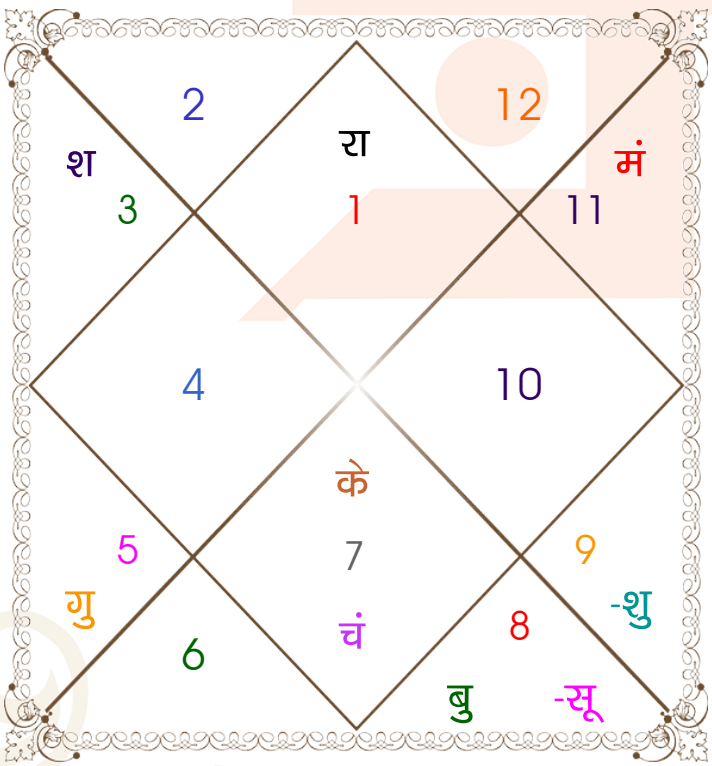

चन्द्र कुंडली

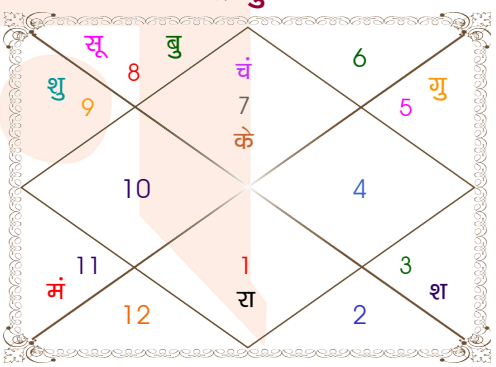

नवमांश कुंडली

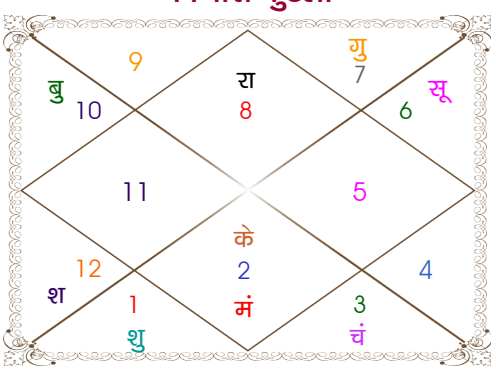

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 4 वर्ष 2 मास 16 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
23/11/2003		08/02/2008		08/02/2027		08/02/2044		08/02/2051	
08/02/2008		08/02/2027		08/02/2044		08/02/2051		08/02/2071	
	00/00/0000	शनि	11/02/2011	बुध	07/07/2029	केतु	07/07/2044	शुक्र	10/06/2054
	00/00/0000	बुध	21/10/2013	केतु	04/07/2030	शुक्र	06/09/2045	सूर्य	10/06/2055
	00/00/0000	केतु	30/11/2014	शुक्र	04/05/2033	सूर्य	12/01/2046	चंद्र	08/02/2057
	00/00/0000	शुक्र	30/01/2018	सूर्य	10/03/2034	चंद्र	13/08/2046	मंगल	10/04/2058
	00/00/0000	सूर्य	12/01/2019	चंद्र	10/08/2035	मंगल	09/01/2047	राहु	10/04/2061
	23/11/2003	चंद्र	12/08/2020	मंगल	06/08/2036	राहु	27/01/2048	गुरु	10/12/2063
चंद्र	09/10/2004	मंगल	21/09/2021	राहु	23/02/2039	गुरु	02/01/2049	शनि	08/02/2067
मंगल	15/09/2005	राहु	28/07/2024	गुरु	31/05/2041	शनि	11/02/2050	बुध	09/12/2069
राहु	08/02/2008	गुरु	08/02/2027	शनि	08/02/2044	बुध	08/02/2051	केतु	08/02/2071

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
08/02/2071		08/02/2077		08/02/2087		08/02/2094		09/02/2112	
08/02/2077		08/02/2087		08/02/2094		09/02/2112		00/00/0000	
सूर्य	29/05/2071	चंद्र	09/12/2077	मंगल	07/07/2087	राहु	21/10/2096	गुरु	30/03/2114
चंद्र	27/11/2071	मंगल	10/07/2078	राहु	25/07/2088	गुरु	17/03/2099	शनि	10/10/2116
मंगल	03/04/2072	राहु	09/01/2080	गुरु	01/07/2089	शनि	22/01/2102	बुध	16/01/2119
राहु	26/02/2073	गुरु	10/05/2081	शनि	10/08/2090	बुध	10/08/2104	केतु	23/12/2119
गुरु	15/12/2073	शनि	09/12/2082	बुध	07/08/2091	केतु	29/08/2105	शुक्र	23/08/2122
शनि	27/11/2074	बुध	10/05/2084	केतु	03/01/2092	शुक्र	28/08/2108	सूर्य	11/06/2123
बुध	04/10/2075	केतु	09/12/2084	शुक्र	04/03/2093	सूर्य	23/07/2109	चंद्र	24/11/2123
केतु	08/02/2076	शुक्र	10/08/2086	सूर्य	10/07/2093	चंद्र	22/01/2111		00/00/0000
शुक्र	08/02/2077	सूर्य	08/02/2087	चंद्र	08/02/2094	मंगल	09/02/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 4 वर्ष 2 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिष गणना के अनुसार आपका जन्म उस समय हुआ जबकि मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। आपका जन्म भरणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक राशि के नवमांश तथा धनु राशि के द्रेष्काण में हुआ था। गणना के संकेतों से आपके जीवन का वास्तविक चित्र स्पष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन के कार्यकलापों का निष्पादन अपनी योजना के पक्ष में पूर्ण आश्वस्त होकर समयानुकूल कर सके तो आप निश्चित रूप से अपने उद्देश्य को सफल कर सकेंगे।

सामान्यतः स्पष्ट रूप से यह अभिप्राय प्रकट हो रहा है कि आप दीर्घजीवी होकर सुख पूर्वक स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप निरोग एवं पश्चाताप रहित जीवन बिताएंगे। बृश्चिक नवमांश के प्रभाव आपके लिए सुरक्षा कवच के समान है। यह संभव है कि आप अपने जीवन की न्यूनता को त्याग देंगे। यदि ऐसा न हो सका तो आप दैन्यता और शारीरिक रोग के शिकार हो जाएंगे। यह आवश्यक नही है कि आपको संकट के आने की कोई पूर्व सूचना विदित हो सके। आप में अपार शक्ति साहस और सामर्थ्य से युक्त प्राणी हैं। आप अपने जीवन में लाभ प्राप्त करने तथा अपनी अभिलाषा की पूर्ति हेतु सुयोग्य एवं सक्षम प्राणी होंगे।

आप अपने रास्ते में आने वाली बाधाएं और बुराईयों को बाहर हटाने में समर्थ हों। आप स्वयं अपनी बुद्धि से अपनी महत्वकांक्षा की पूर्ति के लिए बिना किसी सहयोग के पूरी तन्मयता के साथ समर्पित भाव से एवं विश्वास पूर्वक संपादन कर सकेंगे। भगवान आपको अवश्य ही निर्भयता प्रदान करेंगे। आप अपने सभी कार्यों को संपादन हेतु लंबी दूरी तय करने में भी किसी की सहायता अथवा साथ लेने की परवाह नहीं करेंगे।

वास्तव में आपके जीवन के 25 वें वर्ष से आपका स्वर्णिम काल प्रारंभ होगा। आप बहुत बड़े धन शक्ति और संपन्नता से युक्त हों जाएंगे। आप बहुत उन्नति प्राप्त करके धन, भूमि, भवन, वाहन एवं सेवकों से युक्त हो जाएंगे। आपके आदेश को आपके सेवक अनुमोदन एवं अनुपालन करेंगे। आपके सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने में आपके अधीनस्थ सेवा करने वाले सेवक तथा अनुचर आपके आदेशानुसार आचरण करेंगे।

आप स्वभावतः बहुत बड़े कामुक प्राणी है। यदि आप क्षणिक आनंद के लिए संयोगात्म प्रवृत्ति से किसी भी विपरीति योनि के साथ क्षणिक सुख भोग हेतु जोखिम उठाएंगे तो वह किसी भयंकर रोग का सूचक होगा। उत्तम तो यह होगा कि आप प्रतिबंधित क्षेत्र अर्थात् अपने घर में किसी पसंदीदा या अधिकृत विपरीत योनि के साथ ही शारीरिक सुख-भोग का आनंद प्राप्त करें।

यदि आप अपनी उच्चाकांक्षा को प्राप्त करना चाहते है, तो स्वप्निल विचारों का त्याग करें एवं कठिन परिश्रम करने के प्रति सतर्क रहे तो वास्तव में आप अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु निश्चित रूप से समर्थ हों जाएंगे।

आपके समक्ष जो कुछ भी व्यवधान आ जाए तो आप में यह सामर्थ्य है कि आप अपनी जान्मजात नेतृत्व की क्षमता द्वारा अपने साहस और महत्वाकांक्षित भावना से स्पष्ट कर लेंगे।

यदा-कदा आप क्रोधित होकर अधिक जिद्द पकड़ लेते हैं तथा अपने मित्रों से असंतुष्ट होकर उनके साथ क्षमतापूर्वक व्यवहार नहीं कर पाते हैं।

आप अपने मित्रों की लंबी सूची के अनुरुप उनसे मिलने-जुलने के कार्यक्रम त्याग करने योग्य है। फिर भी आपके कुछ ऐसे मित्र हैं जो पूरे मन से आपको उन्नति के मार्ग में सहयोग प्रदान करते हैं। आप को बार-बार मित्रता के लिए होने वाली यात्राओं का कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करना चाहिए। अर्थात् यात्रा बंद कर दें। यात्रा क्रम में आप देश के विस्तृत और विभिन्न स्थान के व्यक्तियों के साथ मित्रता संबंध स्थापित करेंगे।

आप भली प्रकार अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अतिरिक्त क्रिया-कलाप से कई अन्य द्वेष भी रखेंगे। आप अपनी माता के प्रति पूर्ण आस्थावान रहेंगे तथा आपका दाम्पत्य जीवन अच्छी प्रकार संचालित रहेगा। आप स्थिर चित्त से अपने परिवार के हित में समय लगाएंगे। आपके पारिवारिक सदस्य आपके उत्तेजनात्मक जीवन से दुखी रहेंगे।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाभप्रद एवं प्रमाणित अंक 9 एवं 1 अंक है।

आप अपने जीवन के लिए रंग लाल, पीला और स्वर्णिम रंग को पसंद करेंगे। आपको हर दशा में काले रंग का त्याग करना चाहिए।